जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. शेखर सिंह बघेल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 49
दिनांक 23.03.2022

गुग्गल गोंद में अब नहीं हो सकेगी मिलावट

कृषि विवि के वैज्ञानिक डॉ. त्रिपाठी ने विकसित की तकनीक
भारतीय प्राकृतिक रॉल एवं गोंद संस्थान रॉची, भारत सरकार ने दिया अवार्ड
कुलपति डॉ. बिसेन ने किया सम्मानित

जबलपुर 23 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के युवा वैज्ञानिक डॉ. नीरज त्रिपाठी को भारतीय प्राकृतिक रॉल एवं गोंद संस्थान रॉची, भारत सरकार द्वारा इमरजिंग टेलेन्ट अवार्ड से अलंकृत किया गया है। इस बड़ी उपलब्धि पर कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने डॉ. नीरज त्रिपाठी को वैज्ञानिक सभा में सम्मानित किया और इसी प्रकार सतत् अनुसंधान करते रहने की प्रेरणा दी।

दरअसल औषधीय गुणों वाले गुग्गल गोंद में बड़े पैमाने पर सलई गुग्गल की मिलावट की जाती है। परंतु डॉ. त्रिपाठी द्वारा विकसित की गई इस अतुल्य आण्विक तकनीक से सलई गुग्गल गोंद की मिलावट को सरलता से पहचाना जा सकता है। इससे अब गुग्गल में मिलावट की संभावना लगभग शून्य हो जाएगी। जिससे व्यापारी एवं मरीज दोनों को आर्थिक एवं स्वास्थ्य लाभ होगा। ज्ञात हो कि गुग्गल का उपयोग आयुर्वेद सहित विभिन्न औषधियों में प्रमुखता से किया जाता है। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. पहलवान, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मोनी थॉमस एवं इंजी. शरद जैन उपस्थित रहे।

–000–